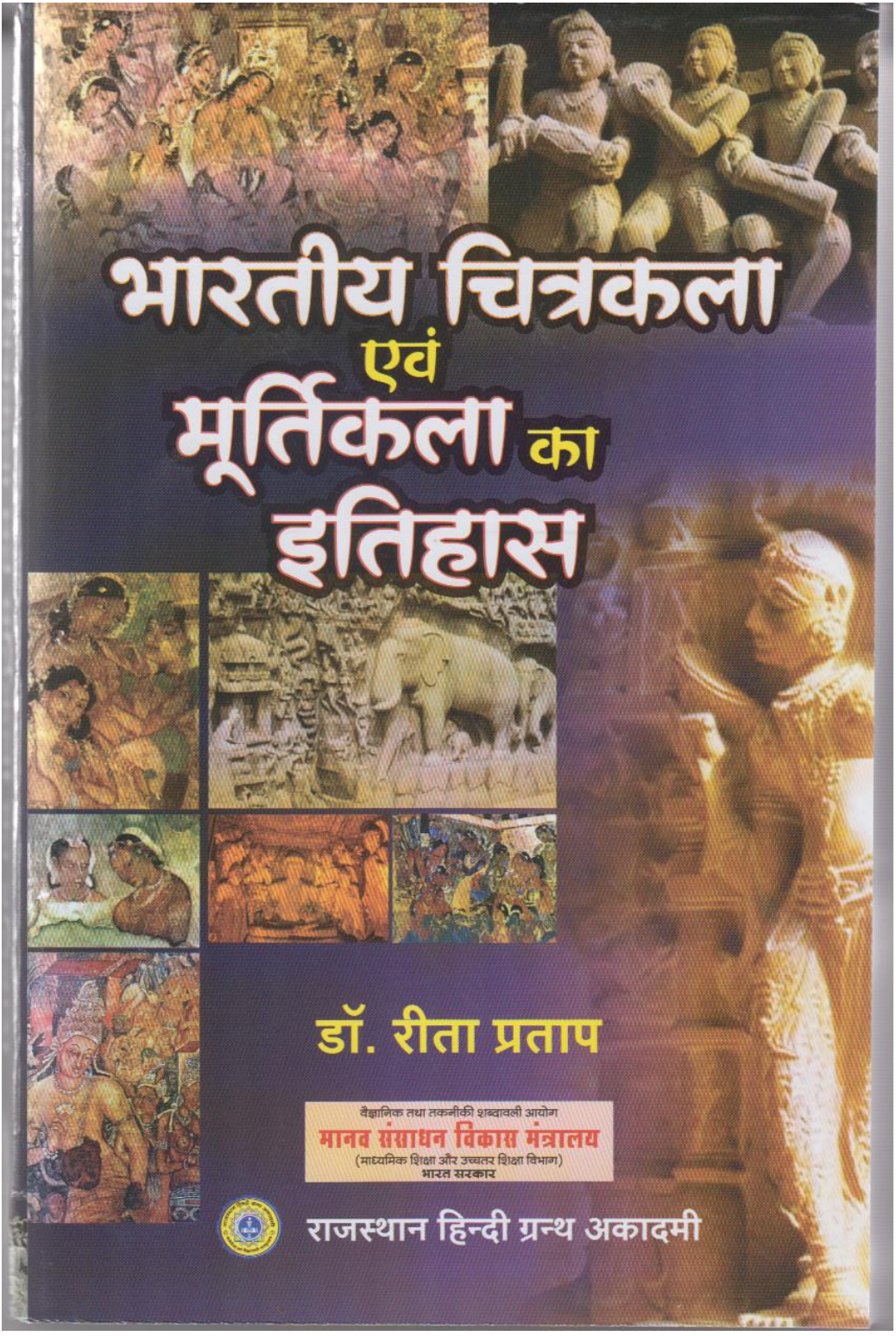

भारतीय चित्रकला एवं मूर्तिकला का इतिहास

डॉ. रीता प्रताप

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(माध्यमिक शिक्षा और उच्चतर शिक्षा विभाग)
भारत सरकार

राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी

विषय-सूची

क्र.सं. पृष्ठ संख्या

खण्ड-1

1. **विषय प्रवेश** 1 - 12

कला का अर्थ, कला के प्रकार, कला की अवधारणाएँ, भारतीय कला और संस्कृति का परस्पर संबंध, भारतीय चित्रकला की विशेषताएँ- धार्मिकता एवं आध्यात्मिकता, अन्त:प्रकृति से अंकन, कल्पना, प्रतीकात्मकता, आदर्शवादिता, मुद्राएँ, रेखा तथा रंग, अलंकारिकता, कलाकारों के नाम, साहित्य पर आधारित, सामान्य पात्र। कला अध्ययन के स्रोत-ऐतिहासिक ग्रंथ, शिलालेख, प्राचीन खण्डहर, मोहरें तथा मुद्राएँ, यात्रियों के वृत्तान्त, बादशाहों द्वारा लिखी आत्मकथाएँ।

2. **आदिकाल की चित्रकला** 13 - 52

(30,000 ई.पू. से 50 ई. तक)

चित्रकला का उद्‌गम, चित्रकला की परिभाषा, मानव की उत्पत्ति और विकास क्रम (ऐजोईक युग, पेलोजोईक युग, मेसोजोईक युग, सिनोजोईक युग), प्रागैतिहासिक काल (पूर्व पाषाण काल, मध्य पाषाण काल, उत्तर पाषाण काल, मध्यप्रदेश के प्रमुख क्षेत्र (पंचमढ़ी, पहाड़गढ़, रायगढ़, भीमबेटका, मन्दसौर, होशंगाबाद, आदमगढ़, भोपाल क्षेत्र, ग्वालियर क्षेत्र, सिंघनपुर), बिहार के प्रमुख क्षेत्र, दक्षिण भारत के प्रमुख क्षेत्र, उत्तर प्रदेश के प्रमुख क्षेत्र (मिर्जापुर, लिखुनियाँ, मानिकपुर, करियाकुंड, सौहरीरोप, कांड़मंगर, घोड़मंगर, भल्डारिया, विढ़ंम मलवा), प्रागैतिहासिक चित्रों का उद्देश्य एवं प्रेरणा, आदिम चित्रकारों की विषयवस्तु, रेखाएँ, प्रागैतिहासिक काल के शिला चित्रों की विशेषताएँ तथा मूल प्रवृत्तियाँ, वैदिक सभ्यता का उदय, सिन्धु घाटी सभ्यता की कला, कुयेटा सभ्यता की कला, अमरी नुन्दरानाल सभ्यता की कला, झोब सभ्यता की कला, कुल्ली मेंही सभ्यता की कला, हड़प्पा, मोहनजोदड़ो तथा लोथल सभ्यता की कला, झूंकर तथा झांगर सभ्यता की कला, धरातल, रंग एवं कूंची, जोगीमारा की गुफा, जोगीमारा चित्रों की विशेषताएँ, साहित्य में चित्रकला-महाभारत,

रामायण, अष्टध्यायी, नाट्यशास्त्र, मेघदूत तथा रघुवंश, कोश, कादम्बरी हर्षचरित, दशकुमारचरित, तिलकमंजरी, कथासरित्सागर, पुराणों में कला विषयक सामग्री (विष्णुधर्मोत्तर पुराण, अग्निपुराण, हरिवंशपुराण, मत्स्यपुराण, स्कन्धपुराण, पद्मपुराण), जैन बौद्ध कृतियों में चित्रकला (सुरसन्दरी कहा, तरंगवती, त्रिषष्टि शलाका पुरुषचरित, विनयपिटक, जातक, धम्मपद, जातक ग्रंथों, थेरागाथा, मिलिन्द प्रश्न, महावंश, आचारगसूत्र), चित्रकला की प्रविधि, कामसूत्र में वर्णित चौसठ कलाएँ, चित्रकला के छः अंग (रूपभेदा, प्रमाण, भाव लावण्य योजना, सादृश्य, वर्णिका भंग), संदर्भ।

3. बौद्धकाल की चित्रकला 53 - 103

(50 ई. से 700 ई. तक)

बौद्ध कला का उद्‌गम, बौद्ध कला के प्रमुख केन्द्र (देव शैली, यक्ष शैली, नाग शैली), भित्ति चित्रण परम्परा, अजन्ता का नामकरण, स्थिति, खोज एवं जीर्णोद्धार, भित्ति चित्रण विधि, गुफाओं का गणना क्रम तथा सुरक्षित चित्र, गुफाओं का निर्माण व रचना काल, भित्ति चित्रों का कालक्रम, चित्रों की सुरक्षा, चित्रों के विषय, भित्ति चित्रों में रंग, नवीं गुफा के चित्र, दसवीं गुफा के चित्र, सोलहवीं गुफा के चित्र, सत्रहवीं गुफा के चित्र, दूसरी गुफा के चित्र, उन्नीसवीं गुफा के चित्र, ग्यारहवीं गुफा के चित्र, छठी गुफा के चित्र, पहली गुफा के चित्र, अजन्ता के चित्रों की विशेषताएँ (रेखाओं का असाधारण प्रभुत्व, नारी चित्रण में चरम उपलब्धि, विषय वैविध्य, रंग विधान, भवन, केश विन्यास, आलेखन, परिप्रेक्ष्य, मुकुट, आभूषण तथा वस्त्र, स्त्रियों का स्थान, हस्त मुद्राएँ, अंग एवं भाव-भंगिमाएँ), बाघ की गुफा, बाघ गुफाओं की स्थिति, गुफाओं की खोज तथा सुरक्षा, उद्देश्य, सुरक्षा एवं अनुकृति, रचना काल, बाघ गुफाओं की संख्या, गुफाओं के नाम, गुफाओं के चित्र, (प्रथम गुफा, दूसरी गुफा, तीसरी गुफा, चौथी गुफा, पाँचवीं गुफा), बाघ गुफाओं का चित्रण विधान, बाघ गुफाओं की विशेषताएँ, अजन्ता तथा बाघ चित्रों की परस्पर तुलना, बादामी की गुफाएँ, स्थिति, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, बादामी गुफा के चित्र, बादामी भित्ति चित्रों की प्रतिकृतियाँ, बादामी चित्रों का विश्लेषणात्मक अध्ययन, सिगिरिया की गुफाएँ, स्थिति, चित्रों की खोज, चित्रों का रचना काल, चित्रण विधि तथा रंग, चित्रों की विशेषताएँ, सित्तन्नवासल की गुफाएँ, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सित्तन्नवासल के चित्र, सित्तन्नवासल चित्रों की विशेषताएँ, संदर्भ।

4. **मध्यकाल की चित्रकला** 105 - 120
(700 ई. से 1600 ई. तक)
पूर्व पीठिका, पाल शैली, पाल शैली का नामकरण, बंगाल के पट चित्र, पाल शैली की सचित्र पोथियाँ, पाल शैली के चित्रों की विशेषताएँ, गुजरात शैली, जैन शैली, अपभ्रंश शैली, अपभ्रंश शैली के चित्र, अपभ्रंश शैली की विशेषताएँ, संदर्भ।

5. **मुगल काल की चित्रकला** 121 - 174
(1550 ई. से 1857 ई. तक)
आदि स्रोत, ईरानी शैली, ईरानी कला की विशेषताएँ, ईरानी और मुगल शैली में तुलना, मुगल कला का महत्त्व, बाबर, हुमायूँ, हुमायूँ का कला प्रेम, अकबर, अकबर का कला प्रेम, अकबर काल के चित्रकार एवं चित्रकारों का स्थान, अकबरकालीन चित्रित ग्रंथ (अभारतीय कथाओं के चित्र, ऐतिहासिक चित्र, भारतीय कथाओं के चित्र, व्यक्ति चित्र), अकबरकालीन पोथी चित्रशाला, अकबरकालीन चित्रकार (बसावन, ख्वाज़ा अब्दुस्समद, दसवन्त, मनोहर, फारुखबेग, मीर सैयद् अली), जहाँगीर, जहाँगीरकालीन चित्रकला, पशु, पक्षी व प्रकृति प्रेम, व्यक्ति चित्र, जहाँगीर काल के चित्रकार तथा उनकी स्थिति (अबुल हसन, मनोहर, बिशनदास, मंसूर, मोहम्मद नादिर, आकारिज़ा), जहाँगीरकालीन चित्रों की विशेषताएँ, शाहजहाँ, शाहजहाँकालीन चित्रकला, पाण्डुलिपि चित्रण, वास्तु निर्माण, शाहजहाँकालीन चित्रों के विषय (वैभव संबंधी चित्र, राजदूतों के चित्र, पूर्वजों एवं सम्मानित व्यक्तियों के चित्र, गोष्ठियों के चित्र, युवतियों एवं बेगमों के चित्र), शाहजहाँकालीन चित्रों की विशेषताएँ, मुगल शैली का अधिपतन, परवर्ती मुगल शासकों के समय के चित्र एवं उनकी विशेषताएँ, शाहजादा दारा, औरंगजेब, औरंगजेबकालीन चित्र, मुगल शैली का महत्त्व, मुगल शैली के चित्रों की विशेषताएँ, (रंग, छाया या परदाज़, हाशिये, परिप्रेक्ष्य तथा स्थितिजन्य लघुता, भवन, आलेखन, वस्त्र तथा आभूषण, एक चश्म चेहरे, कोमल एवं बारीक रेखांकन, पशु-पक्षी चित्रण, प्रकृति चित्रण, चित्रों का विधान एवं उनकी साज-सज्जा, चित्रों के विषय, हस्त-मुद्राएँ तथा अंग-भंगिमाएँ) मुगल और राजपूत चित्र शैलियों की तुलना, दक्षिण (दक्खिनी) चित्र शैली, उद्भव और विकास, बीजापुर, अहमदनगर, गोलकुण्डा, हैदराबाद, दक्षिण शैली के चित्रों की विशेषताएँ, संदर्भ।

6. **राजस्थानी चित्रकला** 175 - 250

(1500 ई. से 1900 ई. तक)

उद्‌भव एवं विकास, नामकरण, राजस्थान की शैलियाँ एवं उपशैलियाँ, मेवाड़ शैली, मेवाड़ शैली के चित्रों की विशेषताएँ, देवगढ़ शैली, नाथद्वारा शैली, (उपशैली) मारवाड़ शैली, मारवाड़ शैली के चित्रों की विशेषताएँ, बीकानेर शैली, बीकानेर शैली के चित्रों की विशेषताएँ, किशनगढ़ शैली, किशनगढ़ शैली के चित्रों की विशेषताएँ, अजमेर शैली, नागौर शैली, हाड़ौती शैली, कोटा शैली, कोटा शैली के चित्रों की विशेषताएँ, बूंदी शैली, बूंदी शैली के चित्रों की विशेषताएँ, झालावाड़ शैली, ढूँढाड़ शैली, आमेर शैली, जयपुर शैली, जयपुर शैली के चित्रों की विशेषताएँ, अलवर शैली, अलवर शैली के चित्रों की विशेषताएँ, उनियारा शैली, उनियारा शैली के चित्रों की विशेषताएँ, शेखावाटी शैली, राजस्थानी शैली के चित्रों की विशेषताएँ (रेखा, छिन्न चित्र, शैली, एकचश्म चेहरे, संयोजन, भाव प्रधानता, रंग अलंकारिता, प्राकृतिक सौन्दर्य, सामयिकता, सामान्य रूढ़ियों का लोप, जन-प्रतिनिधित्व, साहित्य, संगीत और चित्रकला का समन्वय, भक्तिपूर्ण एवं धार्मिक ग्रन्थों से प्रेरित, रोमानी कला, राधाकृष्ण के मनोरम चित्र, देशकाल की अनुरूपता, पृष्ठभूमि, नारी सौन्दर्य, हाशिये, चित्र एवं आलेखन, शृंगार रस, पुश्तैनी व्यवसाय), संदर्भ।

7. **पहाड़ी चित्रकला** 251 - 300

(1700 ई. से 1900 ई. तक)

पहाड़ी शैली, गुलेर की चित्रकला, गुलेर शैली के विषय, कांगड़ा की चित्रकला, कला के प्रणेता महाराजा संसारचंद्र, कांगड़ा शैली के चित्रों की विशेषताएँ, नुरपुर कलम, बसोहली की चित्रकला, बसोहली शैली के चित्रों की विशेषताएँ, चम्बा की चित्रकला, चम्बा शैली के चित्रों की विशेषताएँ, कुल्लू की चित्रकला, कुल्लू शैली के चित्रों की विशेषताएँ, गढ़वाल की चित्रकला, मण्डी की चित्रकला, जम्मू की चित्रकला, जम्मू शैली के चित्रों की विशेषताएँ, पुन्छ की चित्रकला, पुन्छ शैली के चित्रों की विशेषताएँ, सिक्ख की चित्रकला, सिक्ख शैली के चित्रों की विशेषताएँ, बिलासपुर की चित्रकला, कश्मीर की चित्रकला, कश्मीर शैली के चित्रों की विशेषताएँ, संदर्भ।

8. **आधुनिक चित्रकला** 301 - 482

(1800 ई. से वर्तमान तक)

तंजौर शैली, मैसूर शैली, उड़ीसा के पट चित्र, कालीघाट या बाजार चित्र, पटना या कम्पनी शैली, पटना या कम्पनी शैली के चित्रों की विशेषताएँ, विदेशी कला का आगमन, राजा रवि वर्मा, पुनर्जागरणकालीन चित्रकला, पुनर्जागरण काल की या बंगाल स्कूल के चित्रों की विशेषताएँ, ई.वी. हैवल, बंगाल शैली, अवनीन्द्रनाथ ठाकुर, गगनेन्द्र नाथ ठाकुर, नन्दलाल बसु, के वैकटप्पा, समरेन्द्रनाथ गुप्त, शारदा चरण उकील, असित कुमार हाल्दार, शैलेन्द्रनाथ डे, क्षितीन्द्रनाथ मजूमदार, मुहम्मद अब्दुरहमान चुगताई, मुकुल चन्द्र डे, वीरेश्वर सेन, देवी प्रसाद राय चौधरी, रवीन्द्र नाथ ठाकुर, यामिनी राय, अमृता शेरगिल, शांतिनिकेतन के कलाकार-विनोद बिहारी मुखर्जी, सुधीर रंजन खास्तगीर, रामकिंकर बैज, मुम्बई के कलाकार-एन.एस. बेन्द्रे, के.के. हैब्बार, प्रगतिशील कलाकार-एम.एफ. हुसैन, एफ.एन. सूज़ा, सैयद हैदर रज़ा, के.एच. आरा, दिल्ली शिल्पी चक्र-बी.सी. सान्याल, सतीश गुजराल, रामकुमार, धनराज भगत, शंखो चौधरी, अन्य कलाकार- अकबर पदमसी, के.जी. सुब्रमण्यन, के.सी.एस. पणिकर, कृष्ण खन्ना, जे. स्वामीनाथन, जोगेन चौधरी, जी.आर. संतोष, तैयब मेहता, भूपेन खक्कर, विकास भट्टाचार्य, सोमनाथ होर, मीरा मुखर्जी, बलवीर सिंह कट्ट, विवान सुन्दरम, मृणालिनी मुखर्जी, आनन्द कुमारस्वामी (कला समीक्षक एवं इतिहासकार), राजस्थान के कलाकार- रामगोपाल विजयवर्गीय, भवानी चरण गुई, भूरसिंह शेखावत, परमानन्द चोयल, द्वारकाप्रसाद शर्मा, राम जैसवाल, सुरेश शर्मा, मोहन शर्मा, र.वि. साखलकर, ऊषा रानी हूजा, हिम्मत शाह, ज्योति स्वरूप, सुरेन्द्र पाल जोशी, संदर्भ।

खण्ड-2

9. **मूर्तिकला** 483 - 639

सिन्धु घाटी सभ्यता की कला (प्राय: 2700 ई.पू. से 1700 ई.पू. तक) कला का प्रारम्भ, पूर्व मौर्यकालीन कला अवशेष, मौर्यकालीन कला (लगभग 323-875 ई.पू.), अशोक के शिलास्तम्भ, स्तम्भों की सूची, स्तम्भों की रचना, सारनाथ स्तम्भ, स्तम्भ शीर्षक के विविध अंग, मौर्यकालीन प्रस्तर कलाकृतियाँ, यक्ष प्रतिमाएँ, यक्ष प्रतिमाओं की विशेषताएँ, मौर्यकालीन ओपदार पॉलिश, मौर्यकालीन कला की विशेषताएँ, शुंग-सातवाहन काल, कला का विकास, साँची, स्तूप-1, स्तूप-3, अन्य स्तूप, विशेषताएँ, भरहुत, भरहुत की कला की

विषयवस्तु, दक्षिण भारत के स्तूप, अमरावती (150-200 ई.), अमरावती कला की विशेषताएँ, इक्ष्वाकु युगीन कला, नागार्जुनकोण्ड का स्तूप, नेलकोण्डपल्ली का स्तूप, मथुरा की शुंग और कुषाण कला, कुषाणकालीन मथुरा शिल्प की विशेषताएँ, कुषाण काल (कला का उत्कर्ष), गान्धार शैली, गान्धार कला की विशेषताएँ, गुप्तकालीन कला (कला का चरमोत्कर्ष)-मथुरा, सारनाथ, अहिच्छत्रा मध्य भारत के कला केन्द्र, पूर्वी भारत के कला केन्द्र, पश्चिमी भारत के कला केन्द्र, दक्षिण भारत के कला केन्द्र, गुप्तकाल की श्रेष्ठ मूर्तियाँ, गुप्त सिक्कों एवं मुद्राओं पर अंकित कला, मण्मूर्तियाँ गुप्तकालीन मूर्तिकला की विशेषताएँ, भारतीय मंदिर-मंदिर की प्रतीकात्मकता, मंदिर वास्तु का उद्भव एवं विकास, गुप्तकाल के मंदिरों के मुख्य अंग, गुप्तकालीन प्रमुख मंदिर, ऐलिफैन्टा की गुफाएँ (प्राय: 600 से 900 ई.), गुप्तकालीन शिखर मंदिर, देवगढ़, मध्यकालीन मंदिर, उत्तरी भारत के मंदिर, कलिंग मंदिर (परशुरामेश्वर मंदिर, मुक्तेश्वर मंदिर, लिंगराज मंदिर, जगन्नाथ मंदिर, राजा रानी मंदिर, कोणार्क का सूर्य मन्दिर), मध्यप्रदेश के मंदिर (तेली का मंदिर, सास-बहू का मंदिर, बरुआ सागर विष्णु मंदिर, मालादेवी मंदिर, महादेव मंदिर), मध्ययुगीन भारतीय मंदिर- खजुराहो, राजस्थान के मंदिर-माउंट आबू (देलवाड़ा के जैन मंदिर), चित्तौड़गढ़ (कालिका माता मंदिर, कुंभश्याम मंदिर), बांसवाड़ा (अर्थूणा के मंदिर), बांदीकुई (आभानेरी, हर्षत माता का मंदिर), कोटा (बाडौली का मंदिर), उदयपुर (रणकपुर का मंदिर), जोधपुर (ओसियां मंदिर समूह), बाड़मेर (किराडू मंदिर), गुजरात के मंदिर, कश्मीर के मंदिर, चालुक्य शैली-होयसलेश्वर मंदिर, केदारेश्वर मंदिर, द्रविड़ शैली-पल्लव काल (महाबलीपुरम्), चोल काल, पाण्ड्य काल, विजय नगर काल, नायक काल, मदुरै मंदिर, शिव मंदिर, मीनाक्षी मंदिर, रामेश्वर मंदिर, चालुक्य शैली (ऐहोल, लाडखाँ मंदिर, दुर्ग मंदिर), बादामी पट्दकल, ऐलोरा, अन्य गुफायें (कन्हेरी गुफा, कार्ली गुफा, भाजा गुफा), दक्षिण भारत की मूर्तिकला, विभिन्न संग्रहालयों में प्राप्त नटराज की मूर्ति, दक्षिण भारत से प्राप्त अन्य धातु मूर्ति शिल्प, अन्य व्यक्ति मूर्तियाँ, दीपदान परम्परा।

- **BIBLIOGRAPHY (ENGLISH)** 640 - 643
- **संदर्भ-ग्रंथ (हिन्दी)** 644 - 645

❑❑❑